[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7781 **L**

Unique Paper Code : 2133100030

Name of the Paper : Theory of Editing Manuscripts

Name of the Course : **B.A. (Honours) Sanskrit, DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Attempt **all** Questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पाण्डुलिपि विज्ञान से आप क्या समझते हैं ? पाण्डुलिपि के प्रकारों का विस्तृत विवेचन कीजिए। 18

What do you understand by Manuscriptology? Discuss in detail the different types of manuscripts.

अथवा/Or

रूप, विषयवस्तु एवं रचनाशैली के आधार पर पांडुलिपियों का वर्गीकरण कीजिए।
Classify manuscripts on the basis of form, content, and style of composition.

2. पाण्डुलिपि सम्पादन में पाठ्य विविधता (Textual Variations) से आप क्या समझते हैं? विस्तार से वर्णन कीजिए। 18

What do you understand by textual variations in manuscript editing? Explain in detail.

अथवा/Or

पांडुलिपियों में होने वाली त्रुटियों के प्रकारों एवं उनके कारणों का विस्तार से विवेचन कीजिए।
Discuss in detail the types of errors found in manuscripts and their causes.

P.T.O.

3. चित्रित पांडुलिपियों की सामान्य पांडुलिपियों से भिन्नता बताते हुए इनकी अध्ययन एवं समीक्षा पद्धति पर प्रकाश डालिए। 18
Explain the difference between illustrated and ordinary manuscripts, and shed light on their methods of study and review.

अथवा/Or

विषय-सम्बन्ध के आधार पर पांडुलिपियों के पाठ भेदों के संपादन एवं समीक्षा प्रक्रिया का विश्लेषण कीजिए।
Analyse the editing and review process for textual variations in manuscripts based on subject relations.

4. पाण्डुलिपि सम्पादन में पाठालोचन से आप क्या समझते हैं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए। 18
What do you understand by textual criticism in manuscript editing? Explain in detail.

अथवा/Or

पांडुलिपियों के आलोचनात्मक संस्करण की महत्ता स्पष्ट करते हुए इसे तैयार करते समय आने वाली प्रमुख समस्याओं पर एक निबंध लिखिए।
Explain the importance of critical editions of manuscripts, and write an essay on the major problems faced while preparing them.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए: 3x6=18
Write short notes on any **three** of the following:

(i) आधेय (Adhyeya)
(ii) ब्राह्मी (Brahmi)
(iii) कच्छपी (Kachchhpi)
(iv) लिपिक (Scribal)
(v) केस वाइज एडिटिंग (Case-wise Editing)
(vi) चित्रित पाण्डुलिपि (Illustrated manuscript)